

प्रेषक,

हरिश्चन्द्र जोशी,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन

सेवा में,

निदेशक,
विद्यालयी शिक्षा,
उत्तराखण्ड देहरादून।

माध्यमिक शिक्षा अनुभाग-3

देहरादून: दिनांक 15 जनवरी, 2008

विषय: वित्तीय वर्ष 2007-08 में राजीव गाँधी नवोदय विद्यालय, कोटाबाग नैनीताल के भवन निर्माण हेतु धनराशि की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-37784/5ख1/रा0गा0न0वि0/2007-08, दिनांक 05 अक्टूबर, 2007 एवं शासनादेश संख्या 255/माध्यमिक/2004, दिनांक 31.3.2004 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय राजीव गाँधी नवोदय विद्यालय, कोटाबाग, नैनीताल के भवन निर्माण हेतु टी0ए0सी0 द्वारा अनुमोदित लागत रु0 1111.77 लाख के आगणन के प्रथम चरण में धनराशि रु0 399.96 लाख का व्यय निहित है, जिसके सापेक्ष पूर्व में शासन द्वारा स्वीकृत धनराशि कुल रु0 140.00 लाख की धनराशि को समायोजित करते हुए देय अवशेष धनराशि रु0 259.96 लाख के सापेक्ष चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 में रु0 150.00 लाख (रुपये एक करोड़, पचास लाख मात्र) की धनराशि को प्रश्नगत योजना में शासनादेश संख्या: 1010/XXIV-3/07/02(20)/2007, दिनांक 03.8.2007 द्वारा आपके निर्वर्तन पर रखी गयी धनराशि रु0 1050.00 लाख में से नियमानुसार व्यय करने की सहर्ष स्वीकृति निम्नलिखित प्रतिबन्धों के अधीन प्रदान करते हैं:-

- 1- प्रश्नगत निर्माण कार्य ग्रामीण अभियंत्रण सेवा विभाग प्रखण्ड, नैनीताल द्वारा सम्पादित किया जायेगा।
- 2- आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/ अनुमोदित दरों को जो दरें शिडयूल आफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं, अथवा बाजार भाव से ली गयी हों, की स्वीकृति पर नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता का अनुमोदन आवश्यक होगा।
- 3- कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाय।
- 4- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत नार्म है, स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- 5- एक मुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।
- 6- कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि को मध्य नजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य सम्पादित कराना सुनिश्चित करें।
- 7- कार्य कराने से पूर्व स्थल का भली भौति निरीक्षण उच्च अधिकारियों एवं भूगर्ववेत्ता के साथ अवश्य करा लें। निरीक्षण के बाद स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जाय।
- 8- आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गयी है उसी मद पर व्यय किया जाय, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाय।

कमश:.....2



- 9- निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व सामग्री का किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा ली जाय तथा उपयुक्त पायी जानी वाली सामग्री को प्रयोग में लाया जाय।
- 10- निर्माण कार्यो की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति के विवरण प्रत्येक माह की 15 तारीख तक निर्माण संस्था द्वारा विभागाध्यक्ष/संस्था को उपलब्ध कराये जायेंगे।
- 11- निर्माण की गुणवत्ता के लिए संबंधित निर्माण एजेन्सी उत्तरदायी होगी। उक्त के लिए थर्ड पार्टी चैकिंग की व्यवस्था सुनिश्चित की जाय, जिसके सापेक्ष व्यय भार सेन्टेज चार्जेज में निहित धनराशि से वहन किया जाय।

2- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-11 के अधीन लेखाशीर्षक-4202-शिक्षा खेलकूद तथा संस्कृति पर पूँजीगत परिव्यय-01-सामान्य शिक्षा-202-माध्यमिक शिक्षा-आयोजनागत-00-16-राजीव गान्धी नवोदय विद्यालय के भवनों का निर्माण-24- वृहत निर्माण कार्य के नामें डाला जायेगा।

3- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-784(P)/वित्त (व्यय नियंत्रण) अनु0-3/2007, दिनांक 04 जनवरी, 2008 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(हरिश्चन्द्र जोशी)
सचिव

संख्या-1554(1)/XXIV-3/07/02(79)/2005, तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- निजी सचिव, मा0 मुख्य मंत्री, उत्तराखण्ड सरकार।
- 3- निजी सचिव, मा0 शिक्षा मंत्री, उत्तराखण्ड सरकार।
- 4- निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
- 5- आयुक्त, कुमायूँ मण्डल-नैनीताल।
- 6- अपर शिक्षा निदेशक, कुमायूँ मण्डल-नैनीताल।
- 7- बजट, राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, सचिवालय।
- 8- जिलाधिकारी, नैनीताल।
- 9- कोषाधिकारी, नैनीताल।
- 10- जिला शिक्षा अधिकारी, नैनीताल।
- 11- सम्बन्धित निर्माण एजेन्सी।
- 12- वित्त विभाग/नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तराखण्ड सचिवालय।
- 13- कम्प्यूटर सेल (वित्त विभाग), उत्तराखण्ड सचिवालय।
- 14- एन0आई0सी0 सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 15- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,



(पी0एल0शाह)

उप सचिव